शिक्षा संबंधित सरकारी योजनाएँ 2023

पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (Traditional Knowledge Digital Library)

पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और आयुष मंत्रालय के संयुक्त सहयोग के तहत भारत की एक अग्रणी पहल है.

- उपयोगकर्ताओं के लिए टीकेडीएल डेटाबेस को खोलना भारत सरकार द्वारा एक महत्वाकांक्षी एवं दूरदर्शी कार्रवाई है।
- नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत भारतीय ज्ञान परम्परा के माध्यम से विचार एवं ज्ञान नेतृत्व को अंतर्निविष्ट करने हेतु भी टीकेडीएल का मार्ग प्रशस्त किया गया है।
- यह नवाचार एवं व्यापार को बढ़ाने की दिशा में मौजूदा पद्धतियों के साथ पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करने एवं सह-चयन करने पर बल देता है।
- टीकेडीएल ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए पारंपरिक ज्ञान सूचना के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में कार्य करेगा।
- टीकेडीएल की वर्तमान सामग्री भारतीय पारंपरिक दवाओं को व्यापक रूप से अपनाने की सुविधा प्रदान करेगी, साथ ही नए निर्माताओं एवं नवप्रवर्तकों को हमारी मूल्यवान ज्ञान विरासत के आधार पर उद्यमों का लाभप्रद निर्माण करने के लिए प्रेरित करेगी।

पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (TKDL) के बारे में: पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (TKDL) 2001 में स्थापित भारतीय पारंपरिक ज्ञान का एक पूर्ववर्ती कला डेटाबेस है।
अधिदेश: टीकेडीएल का प्राथमिक अधिदेश भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर गलत पेटेंट के अनुदान को रोकना है।
टीकेडीएल डेटाबेस रचनात्मक मस्तिष्कों को एक स्वस्थ एवं प्रौद्योगिकी संपन्न आबादी के लिए बेहतर, सुरक्षित एवं अधिक प्रभावी समाधानों के लिए नवाचार करने हेतु प्रेरित करेगा।
कार्यान्वयन निकाय: पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) का प्रबंधन वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (काउंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च/सीएसआईआर) तथा भारतीय चिकित्सा प्रणाली और होम्योपैथी विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ इंडियन सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन एंड होम्योपैथी/आईएसएम एंड एच, अब आयुष मंत्रालय) द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है।
अभिगम्यता: अब तक, टीकेडीएल के संपूर्ण डेटाबेस तक पहुंच खोज एवं जांच के प्रयोजनों के लिए संपूर्ण विश्व के 14 पेटेंट कार्यालयों तक सीमित है।
टीकेडीएल के माध्यम से यह रक्षात्मक संरक्षण भारतीय पारंपरिक ज्ञान को दुरूपयोग से बचाने में प्रभावी रहा है तथा इसे वैश्विक मानदंड माना जाता है।

अभिगम्यता शुल्क: टीकेडीएल डेटाबेस तक पहुंच राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय उपयोगकर्ताओं के लिए चरण-वार उद्घाटन के साथ एक सशुल्क सदस्यता मॉडल के माध्यम से होगी।

Objectives of TKDL

- TKDL विश्व स्तर पर अपनी तरह का प्रथम है एवं अन्य देशों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में कार्य कर रहा है।
- टीकेडीएल में वर्तमान में आईएसएम से संबंधित मौजूदा साहित्य जैसे आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा एवं योग की जानकारी शामिल है।
- जानकारी को पांच अंतरराष्ट्रीय भाषाओं यथा अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच, जापानी तथा स्पेनिश में डिजिटल प्रारूप में प्रलेखित किया गया है हैं।
- टीकेडीएल संपूर्ण विश्व में पेटेंट कार्यालयों में पेटेंट परीक्षकों द्वारा समझने योग्य भाषाओं एवं प्रारूप में जानकारी प्रदान करता है, ताकि पेटेंट के त्रुटिपूर्ण अनुदान को रोका जा सके.

रामकृष्ण मिशन का 'जागृति' कार्यक्रम (Ramakrishna Mission's Awakening Programme)

हाल ही में, केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने पहली से पांचवीं कक्षा के छात्रों के लिए रामकृष्ण मिशन के 'जागृति' कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

- उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (नेशनल एजुकेशन पॉलिसी/एनईपी) 2020 स्वामी विवेकानंद के दर्शन से गहराई से प्रेरित है एवं हमें कक्षा एक से आठवीं के लिए कार्यक्रम बनाने के अतिरिक्त 9वीं से 12वीं के लिए इस तरह के मूल्य-आधारित शैक्षिक कार्यक्रम बनाने पर बल देना चाहिए।
- मंत्री ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन/सीबीएसई) से जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार रहने एवं राष्ट्रीय प्रगति तथा वैश्विक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध प्रतिभा पूल निर्मित करने हेतु बाल वाटिका से बारहवीं कक्षा तक सभी विद्यालयों में मूल्य-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु एक सलाहकार ढांचा स्थापित करने का आह्वान किया।

Background of Ramakrishna Mission's Awakening Program

- रामकृष्ण मिशन, दिल्ली शाखा, 2014 से, मध्य विद्यालय के छात्रों के लिए जागृत नागरिक कार्यक्रम (अवेकन्ड सिटीजन प्रोग्राम/एसीपी) का सफलतापूर्वक संचालन कर रही है।
- लगभग 6,000 विद्यालय (केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, सरकारी तथा निजी विद्यालय) जिनमें 55,000 शिक्षक एवं 12 लाख छात्र शामिल हैं, एसीपी के तहत लाभान्वित हुए हैं।
- 'जागृति' नामक एक कार्यक्रम जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से निकटता से जुड़ा हुआ है, को 126 विद्यालयों में डिजाइन तथा संचालित किया गया है।
- सफलतापूर्वक संचालन के पश्चात, सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम "जागृति" का शुभारंभ किया गया था।

What is the need of Ramakrishna Mission's Awakening Programme?

- भारत में सामाजिक परिवर्तन की प्रगति के लिए।
- छात्रों में मूल्यों और ज्ञान को विकसित करने के लिए।

- मूल्य आधारित शिक्षा विज्ञान आधारित जितनी ही महत्वपूर्ण है जो भविष्य के लिए तैयार और सामाजिक रूप से जागरूक पीढ़ी के निर्माण में मदद करेगी।

What is Ramakrishna Mission?

- आरंभ: स्वामी विवेकानंद ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी।
- उद्देश्य: रामकृष्ण मिशन के माध्यम से, स्वामी विवेकानंद ने श्रेष्ठतम विचारों को सर्वाधिक निर्धन एवं वंचित व्यक्तियों के दरवाजे तक लाने का लक्ष्य रखा।
- प्रमुख भूमिका: रामकृष्ण मिशन मूल्य आधारित शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, युवा एवं आदिवासी कल्याण तथा राहत एवं पुनर्वास के क्षेत्र में कार्य करता है।

Who was Swami Vivekananda?

- उनका जन्म 12 जनवरी 1863 को नरेंद्रनाथ दत्त के रूप में हुआ था।
- 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है
- उन्होंने 'नव-वेदांत दर्शन' का प्रचार किया
- उन्हें 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में उनके भाषण के लिए जाना जाता है
- उन्होंने रामकृष्ण मिशन और बेलूर मठ की स्थापना की।

MAARG पोर्टल- स्टार्ट-अप इंडिया का नेशनल मेंटरशिप प्लेटफॉर्म

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) ने स्टार्टअप इंडिया द्वारा MAARG पोर्टल, नेशनल मेंटरशिप प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण के लिए स्टार्टअप एप्लिकेशन के लिए एक कॉल शुरू की है।

What is the purpose of MAARG Portal?

स्टार्ट-अप्स को उनके जीवन चक्र के दौरान क्षेत्र केंद्रित मार्गदर्शन, हैंड होल्डिंग तथा समर्थन प्रदान करना। एक औपचारिक एवं संरचित मंच स्थापित करने के लिए जो सलाहकारों एवं उनके संबंधित सलाह ग्राहियों के मध्य के बीच बुद्धिमान सुमेल स्थापित करने की सुविधा प्रदान करता है। स्टार्ट-अप्स के लिए कुशल एवं विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा के लिए तथा एक परिणाम-उन्मुख तंत्र का निर्माण करना जो परामर्शदाता- परामर्श ग्राहियों की व्यस्तताओं को समय पर ट्रैक करने की अनुमति दान करता है।

What is the full form of MAARG Portal?

MAARG पोर्टल विविध क्षेत्रों, कार्यों, चरणों, भौगोलिक एवं पृष्ठभूमियों में स्टार्ट-अप के लिए परामर्श की सुविधा के लिए एक एकल बिंदु प्लेटफॉर्म है।

MAARG पोर्टल का पूर्ण रूप – मेंटरशिप, एडवाइजरी, असिस्टेंस, रेसिलिएंस एंड ग्रोथ है।

What are the objectives of MAARG Portal?

- स्टार्ट-अप्स को उनके जीवन चक्र के दौरान क्षेत्र केंद्रित मार्गदर्शन, हैंड होल्डिंग तथा समर्थन प्रदान करना।
- एक औपचारिक एवं संरचित मंच स्थापित करने के लिए जो सलाहकारों एवं उनके संबंधित सलाह ग्राहियों के मध्य के बीच बुद्धिमान सुमेल स्थापित करने की सुविधा प्रदान करता है।
- स्टार्ट-अप्स के लिए कुशल एवं विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा के लिए तथा एक परिणाम-उन्मुख तंत्र का निर्माण करना जो परामर्शदाता- परामर्श ग्राहियों की व्यस्तताओं को समय पर ट्रैक करने की अनुमति दान करता है।

What are the functions of MAARG portal?

स्टार्टअप अब विकास एवं रणनीति पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए कृत्रिम प्रज्ञान (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/एआई) आधारित मैचमेकिंग के माध्यम से शिक्षाविदों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों, सफल संस्थापकों, अनुभवी निवेशकों एवं संपूर्ण विश्व के अन्य विशेषज्ञों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ सकते हैं।

पोर्टल की प्रमुख विशेषताओं में पारिस्थितिकी तंत्र सक्षमकर्ता (इकोसिस्टम इनेबलर्स) के लिए अनुकूलन योग्य (कस्टमाइजेबल) मेंटरशिप प्रोग्राम, मोबाइल अनुकूल उपयोगकर्ता अंतरापृष्ठ (मोबाइल फ्रेंडली यूजर इंटरफेस), मेंटर्स के योगदान के लिए पहचान, वीडियो एवं ऑडियो कॉल विकल्प इत्यादि सम्मिलित हैं।

What is date for onboarding of startups?
डीपीआईआईटी 14 नवंबर 2022 से MAARG पोर्टल पर स्टार्टअप्स की ऑनबोर्डिंग प्रारंभ कर रहा है,

Startup India

स्टार्टअप इंडिया को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 16 जनवरी 2016 को लॉन्च किया गया था। भारत को सबसे बड़े और जोरदार स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक बनाने के उद्देश्य से, जनवरी 2016 में एक 19-सूत्रीय स्टार्टअप इंडिया एक्शन प्लान शुरू किया गया था, जिसने एक मजबूत, अनुकूल और विकासोन्मुखी वातावरण बनाने के लिए कई नीतिगत पहलों का मार्ग प्रशस्त किया। भारतीय स्टार्टअप। पहल के शुभारंभ के पांच साल बाद, भारत भारतीय उद्यमिता के इतिहास में एक सुनहरा अध्याय देख रहा है।

भाषिणी (BHASHINI): - राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन(National Language Translation Mission)

भाषिणी (BHASHINI) के बारे में:

- **'डिजिटल इंडिया भाषिणी (Digital India BHASHINI)'** भारतीय भाषाओं में इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं तक आसान पहुंच को सक्षम करने का प्रयास करती है, जिसमें आवाज आधारित पहुंच भी शामिल है, साथ ही यह भारतीय भाषाओं में सामग्री के निर्माण में मदद करता है. इसे गुजरात के गांधीनगर में डिजिटल इंडिया वीक, 2022 के उद्घाटन के अवसर पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किया गया था.
- **भाषिणी (BHASHINI)** का अर्थ **BHASa INterface for India यानि भारत के लिए भासा इंटरफेस है.**
- यह इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के अधीन है।

- डिजिटल इंडिया भाषीनी, भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के नेतृत्व वाले भाषा अनुवाद मंच के रूप में, **भाषा दान** नामक बड़े पैमाने पर-सोर्सिंग पहल के माध्यम से बहुभाषी डेटासेट बनाने के लिए बड़े पैमाने पर नागरिक जुड़ाव को सक्षम करेगा.

डिजिटल इंडिया भाषिणी (BHASHINI) का उद्देश्य:

- इस मिशन का उद्देश्य भारतीय नागरिकों को उनकी अपनी भाषा में देश की डिजिटल पहल से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाना है, जिससे डिजिटल समावेशन हो सके.
- भाषिणी (BHASHINI) प्लेटफॉर्म पूरे डिजिटल इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करेगा और इस दिशा में एक बड़ा कदम है
- डिजिटल सरकार के लक्ष्य को साकार करना।
- भाषिणी (BHASHINI) का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य उभरती हुई प्रौद्योगिकियां शक्ति का लाभ उठाकर नागरिकों के लिए सेवाओं और उत्पादों को विकसित करने के लिए भाषाओं के लिए एक राष्ट्रीय सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म का निर्माण करना है.
- भाषिणी (BHASHINI) का उद्देश्य जनहित, विशेष रूप से शासन और नीति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी आदि के क्षेत्र में इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं में सामग्री को पर्याप्त रूप से बढ़ाना है, इस प्रकार नागरिकों को अपनी भाषा में इंटरनेट का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है.

Salient Features:

- भाषिणी सरकार, उद्योग, शिक्षा, अनुसंधान समूहों और स्टार्ट-अप में एक बड़े विविध नेटवर्क को एक खुले भंडार में लाने के लिए एक ऑर्केस्ट्रेटर के रूप में कार्य करेगा.
- भाषिणी भाषा के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल सार्वजनिक मंच के विकास को शामिल करेगा
- सामग्री तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना अर्थात सभी भारतीय भाषाओं में डिजिटल सामग्री के वितरण को बढ़ावा देना। इसके परिणामस्वरूप एक ज्ञान-आधारित समाज का निर्माण होगा जहाँ सूचना स्वतंत्र रूप से और आसानी से उपलब्ध हो और यह पारिस्थितिकी तंत्र और नागरिकों को "आत्मनिर्भर" बना दे।
- नागरिकों को आसान उपकरण प्रदान किए जाएंगे और उन्हें भाषिणी के क्राउड सोर्सिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी पसंद की भाषाओं में योगदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। वे इस पूरी पहल के मुख्य लाभार्थी होंगे।
- स्टार्टअप्स को भी भाषिणी के संसाधनों का उपयोग करके नवोन्मेषी एप्लिकेशन बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा.

भाषा दान (Bhasha Daan)

भाषा दान परियोजना भाषिणी के हिस्से के रूप में कई भारतीय भाषाओं के लिए भाषा इनपुट को क्राउडसोर्स करने की एक पहल है. यह नागरिकों से अपनी भाषा को डिजिटल रूप से समृद्ध करने के लिए डेटा का एक खुला भंडार बनाने में मदद करने का आह्वान करता है. यहां उद्देश्य भारतीय भाषाओं के लिए बड़े डेटासेट बनाना है, जिसका उपयोग विभिन्न हितधारकों द्वारा निम्नलिखित के लिए उत्पाद या सेवाएं बनाने के लिए एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है:

- प्रशिक्षण और बेंचमार्क डेटासेट
- सरकारी संस्थाओं, भाषा अध्यायों, समुदायों आदि से डेटा योगदान
- क्राउड सोर्सिंग पहल
- ओपन सोर्स भाषा मॉडल

भाषा दान (Bhasha Daan) की श्रेणियाँ

➢ **सुनो इंडिया:** कोई भी व्यक्ति जो ऑडियो सुनता है उसे टाइप करके या दूसरों द्वारा लिखित पाठ को मान्य करके अपनी भाषा को समृद्ध कर सकता है.

➢ **बोलो इंडिया:** वाक्यों की रिकॉर्डिंग के माध्यम से, आवाज दान करके कोई अपनी भाषा को समृद्ध कर सकता है। कोई अन्य द्वारा रिकॉर्ड किए गए ऑडियो को भी मान्य कर सकता है

➢ **लिखो इंडिया:** कोई भी संकेतित पाठ का अनुवाद करके योगदान दे सकता है। कोई अन्य द्वारा योगदान किए गए अनुवादों को भी मान्य कर सकता है।

➢ **देखो इंडिया:** देखे गए टेक्स्ट को टाइप करके या इमेज को लेबल करके कोई अपनी भाषा को समृद्ध कर सकता है। कोई दूसरों द्वारा योगदान की गई छवियों को भी मान्य कर सकता है